[This question paper contains 8 printed pages.]

238 *Your Roll No.* .....

B.A. (Programme)/I Sem. **B**

SANSKRIT LANGUAGE – Paper I

(Mastering Sanskrit Language & Literature)

(Admissions of 2011 and onwards)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– *Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी :- *अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिये; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिये।*

1. नीचे दिये गये प्रत्येक भाग में से **तीन** रूप की निर्दिष्ट विभक्ति व वचन लिखिए :-

Write the correct form in any **three words** from each section as directed below :

(क) (i) राम – चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(ii) गुरू - द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(iii) गृह - षष्ठी विभक्ति, द्विवचन

(iv) गो - प्रथमा विभक्ति, बहुवचन

(v) वाच् - द्वितीया विभक्ति, एकवचन (3)

(ख) (i) इदम् - प्रथमा विभक्ति, बहुवचन

(ii) अस्मद् - चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(iii) सर्व - तृतीया विभक्ति, बहुवचन

(iv) किम् - षष्ठी विभक्ति, एकवचन

(v) युष्मद् - सप्तमी विभक्ति, एकवचन (3)

2. निम्नलिखित प्रत्येक भाग में से किन्हीं **दो-दो** शब्दों की विभिक्ति एवं वचन बतलाएं।

Identify the case and number of **any two** words from each section given below :

(क) हरिणा, रमाम्, गृहात्, जगतः, गुरूम्। (2)

(ख) मया, सर्वेषाम्, कान्, तव, यः। (2)

3. (क) अधोलिखित में से किन्हीं **दो** धातुओं के निर्दिष्ट लकारों में रूप लिखिए :

Write the forms of any **two** of the following in the given Lakaras.

(i) अस् - लट् लकार, प्रथम पुरूष

(ii) भू - लृट् लकार, उत्तम पुरूष

(iii) चुर् - लिङ् लकार, मध्यम पुरूष

(iv) दिव् - लङ् लकार, प्रथम पुरूष

(v) पठ् - लोट् लकार, उत्तम पुरूष (6)

(ख) नीचे लिखे किन्हीं **दो** तिङन्त पदों में धातु, लकार, पुरूष व संख्या की सही पहचान कीजिए :

Identify the Lakāra Purusa and number of any **two** of the following verbs :

आसीत्, पठिष्यन्ति, क्रीणीतः, अहनत, पचेत, भव। (4)

4. (क) नीचे दिये गये शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों को पहचान कर लिखें :

Identify and write **three** correct forms out of the given words :

अष्टाभ्यः	-	विंशतिम्	-
सप्तेषु	-	पंचभिः	-
त्रिभ्यः	-	एकयोः	-
दशानाम्	-	द्वाभ्याम्	-
षड्सु	-	द्वादशान्	- (3)

P.T.O.

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** संख्यावाची शब्दों का निर्दिष्ट विभक्ति में रूप लिखिए :

Write the correct forms in any **four** of the following numbers in the said case ending :

चतुर	– द्वितीया विभक्ति	चत्वारिंशत्	– प्रथमा विभक्ति
ऊनविंशति	– पंचमी विभक्ति	एक	– चतुर्थी विभक्ति
सप्त	– तृतीया विभक्ति	अष्टन्	– सप्तमी विभक्ति
षोडशन्	– चतुर्थी विभक्ति	त्रि	– द्वितीया विभक्ति

(2)

5. नीचे लिखे गये भाग I व II में से **दो–दो** तथा भाग III में से **एक** शब्द को चुनकर उनका संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिये –

Make sentences in Sanskrit choosing **two** words each from section I and II and **one** word from section III.

(I) रमा, हरि, राम, गृह, मधु । (4)

(II) पच्, भू, कृ, अस्, हन् । (4)

(III) अष्ट, द्वि, चतुर, विंशति । (2)

6. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक का अनुवाद कीजिये –

Translate any **one** of the following ślokas :

(i) श्रुतो हितोपदेशोऽयं पाटवं संस्कृतोक्तिषु ।

वाचां सर्वत्र वैचित्र्यं नीतिविद्यां ददाति च ।।

(ii) अजातमृतमूर्खाणां वरमाद्यौ न चान्तिमः ।
सकृद्दुःखतरावाद्यौ अन्तिमस्तु पदे पदे ।।

(iii) सर्वद्रव्येषु विद्यैव द्रव्यमाहुरनुत्तमम् ।
अहार्यत्वादनर्घ्यत्वादक्षयत्वाच्च सर्वदा ।। (3)

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की व्याख्या कीजिये :-

Explain any **one** of the following ślokas :

(i) पुण्यतीर्थे कृतं येन तपः क्वाप्यतिदुष्करम् ।
तस्य पुत्रो भवेद्वश्यः समृद्धो धार्मिकः सुधीः ।।

(ii) अनभ्यासे विषं विद्या अजीर्णे भोजनं विषम् ।
विषं सभा दरिद्रस्य वृद्धस्य तरुणी विषम् ।।

(iii) आहारनिद्राभयमैथुनंच सामान्यमेतत्पशुर्भिनराणाम् ।
धर्मो हि तेषामधिको विशेषो धर्मेण हीनाः पशुभिः समानाः ।।
(5)

(ग) हितोपदेश के आधार पर अधोलिखित प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिये -

Answer in short the following question on the basis of Hitopadeśa.

राजा सुदर्शन की चिन्ता का क्या कारण है, टिप्पणी कीजिये ?

What is the worry of King Sudarśana, comment ?

P.T.O.

अथवा (OR)

विद्या के महत्व के विषय में बताइये।

Tell about the significance of knowledge. (4)

7. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक का अनुवाद कीजिये -

Translate any **one** of the following ślokas :

त्यागाय संभृतार्थानां सत्याय मितभाषिणाम् ।
यशसे विजिगीषूणां प्रजायै गृहमेधिनाम् ।।

अथवा (OR)

क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः ।
तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम् ।।

अथवा (OR)

रघूणामन्वयं वक्ष्ये तनुवाग्विभवोऽपि सन् ।
तद्गुणैः कर्णेमागत्य चापलाय प्रचोदितः ।। (3)

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की व्याख्या कीजिये -

Explain any **one** of the following ślokas :

वैवस्वतो मनुर्नाम माननीयो मनीषिणाम् ।
आसीन्मही क्षितामाद्यः प्रणवश्छन्दसामिव ।।

अथवा (OR)

प्रजानामेव कूत्यर्थं स ताभ्यो बलिमग्रहीत् ।
सहस्त्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः ।।

अथवा (OR)

अनाकृष्टस्य् विषयैर्विद्यायां पारदृश्वनः ।
तस्य धर्मरतरासीद बृद्धत्वं जरसा विना ।। (3)

(ग) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिये -

Answer the following question :

रघुवंशी राजाओं की विशेषतायें बताइये ।

Tell the characteristics of the Rughvaṁśī kings.

अथवा (OR)

'उपमा कालिदासस्य' पर लघु टिप्पणी कीजिये ।

Comment in short on 'Upamā Kālidāsasya'. (4)

8. (क) निम्नलिखित गद्यांश का अनुवाद कीजिये :-

Translate the following paragraph :

तात चन्डापीड । विदितवेदित्व्यायाधीत सर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमपि उपदेष्ट्व्यमस्ति । कवलें च निसर्गतः एवाभानुर्भद्यम-रत्नालोकोच्छेद्यम-प्रदीपप्रभापनेयमतिगहनं तयो यौवनप्रभवम् । अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः । कष्टममंजनवर्तिसाठयमपरम् ऐश्वर्यतिमिरांधत्वम् । अंशिशिरो-पयारहार्योऽतितीव्रो दर्पहाध्ज्वरोष्मा । (4)

अथवा (OR)

भवादृशा एवं भवन्ति भाजनान्युपदेशानाम् । अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयोविशन्ति सुखेनोपदेशगुणाः । गुरूवचन-

P.T.O.

ममलमपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितशुलमभव्यस्य । इतरस्य तु करिणइवशंखाभरणमाननशोभासमुद्रयमधिकतरमुपजनयति ।

(ख) निम्नलिखित की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये -

Explain the following with reference :

अयमेवानास्वादितविषयरसस्य ते काल उपदेशस्य ।
कुसुमशरशरप्रहारजर्जरितेहि हृदये जलमिव गलत्युपदिष्टम् ।
अकारणऽय भवति दुष्प्रकृतेरन्वय: श्रुतं वाविनयस्य ।
चन्दनप्रभवो न दहति किमनल: ? किंवा प्रशमहेतुनापि
न प्रचण्डतरीभवति वाडवानलो वारिणा ?

अथवा (OR)

अप्रत्यय बहुला च दिवसान्तकमलमिव समुपंचितमूलदण्डकोशमण्डलमपि मुऽयतिभूभुजम् । लतेव विटपकानध्यारोहति । गंगेव वसुजनन्यपि तरंगबुदबुदचंचला, दिवसवरगतिरिव प्रकटति विविध संक्रान्ति । पातालगुहेव तमो बहुला । हिडिम्बैव भीमसाहसैकहार्यद्धया । प्रावृडिवाचिरद्यु-तिकारिणी । (6)

(ग) शुकनासोपदेश का सार अपने शब्दों में लिखिये । (8)

Write the abstract of Śukanāsopadiśa in your own words.

अथवा (OR)

बाण की काव्यशैली के विषय में शुकनासोपदेश के संदर्भ में लिखिये ।

Write on the poetic style of Bāṇa in context with Śukanāsopadiśa.

(300)****